एस. एन. एस. आर.के.एस. कॉलेज, सहरसा

(सम्बद्ध बी.एन. मंडल यूनिवर्सिटी, मधेपुरा, बिहार)

****

ऑनलाइन शिक्षण

****

प्रस्तुति : डॉ रिपुंजय कुमार सिंह (हिंदी विभाग,एस. एन. एस. आर.के.एस. कॉलेज, सहरसा)

****

अध्ययन व विश्लेषण शिक्षण

भाग-56

****

Scanned by CamScanner

बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी, तृतीय वर्ष

****

षष्ठ पत्र

****

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

****

निबंध-'अशोक के फूल'

****

Scanned by CamScanner

हमारे पाठ्यक्रम में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध 'अशोक के फूल' को पढ़ना है, इसलिए मूल पाठ विश्लेषण से पूर्व लेखक का सामान्य परिचय दिया गया है-

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

परिचय

मूल नाम : बैजनाथ द्विवेदी

जन्म : 19 अगस्त 1907, दुबे का छपरा (गाँव), बलिया (उत्तर प्रदेश)

भाषा : हिंदी

विधाएँ : आलोचना, उपन्यास, निबंध

मुख्य कृतियाँ

Scanned by CamScanner

आलोचना : हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी साहित्य, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, नाथ सम्प्रदाय, साहित्य सहचर, हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास, सूर साहित्य, कबीर, कालिदास की लालित्य योजना, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, साहित्य का मर्म, प्राचीन भारत में कलात्मक विनोद, मेघदूत : एक पुरानी कहानी, मध्यकालीन धर्म साधना, सहज साधना

उपन्यास : बाणभट्‌ट की आत्मकथा, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा, चारु चंद्रलेख

निबंध : कल्प लता, विचार और वितर्क, अशोक के फूल, विचार-प्रवाह, आलोक पर्व, कुटज

अन्य : मृत्युंजय रवीन्द्र, महापुरुषों का स्मरण

संपादन : पृथ्वीराज रासो, संदेश रासक, नाथ सिध्दों की बानियाँ।

सम्मान

Scanned by CamScanner

पद्मभूषण (भारत सरकार, 1957), टैगोर पुरस्कार (पश्चिम बंग साहित्य अकादमी, 1966), साहित्य अकादमी पुरस्कार (1973)

निधन

19 मई 1979

निबंध

अंधकार से जूझना है

अशोक के फूल

आपने मेरी रचना पढ़ी?

आम फिर बौरा गए

कुटज

घर जोड़ने की माया

Scanned by CamScanner

देवदारु

नाखून क्यों बढ़ते हैं?

भीष्म को क्षमा नहीं किया गया

वर्षा : घनपति से घनश्यागम तक

शिरीष के फूल

अन्य

नाखून क्यों बढ़ते हैं?

Scanned by CamScanner